प्रेस के लिए सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं. 8 / 2026)
भारतीय दूरसंचार विविनियामक प्राधिकरण
www.trai.gov.in

नई दिल्ली, 21 जनवरी 2026 तत्काल प्रकाशन हेतु

## ट्राई- एसटीपीआई द्वारा 'टेलीकम्युनिकेशन में ए.आई' पर आयोजित पूर्व शिखर सम्मेलन में नेटवर्क ट्रांसफॉर्मेशन और कस्टमर एक्सपीरियंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अत्याधुनिक अनुप्रयोगों पर चर्चा की गई।

**भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI )** ने **साफ्टवेयर टेक्नॉलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (STPI)** के सहयोग से आज पूर्वी किदवई नगर, नई दिल्ली मे स्थित एसटीपीआई सभागार में "दूरसंचार में ए.आई" विषय पर इंडिया- ए.आई. इंपैक्ट समिट 2026 का शिखर सम्मेलन का एक पूर्व कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, ओईएम, स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया, ताकि इस बात पर विचार-विमर्श किया जा सके कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) दूरसंचार नेटवर्क, सेवा वितरण और ग्राहक जुड़ाव के भविष्य को कैसे नया आकार दे रहा है। क्योंकि भारत एआई-संवर्धित डिजिटल बुनियादी ढांचे की ओर बढ़ रहा है इसलिए इस कार्यक्रम ने रीयल वर्ल्ड के उपयोग के मामलों, नीतिगत विचारों और कार्यान्वयन चुनौतियों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री **ट्राई अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी, ट्राई सदस्य श्री रितु रंजन मित्तर, ट्राई, सदस्य डॉ. एम. पी. तंगिराला, ट्राई सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी, महानिदेशक एसटीपीआई श्री अरविन्द कुमार और निदेशक आईआईटी गांधीनगर प्रोफ़ेसर रजत मूना** द्वारा एक औपचारिक दीप्रज्ज्वलन के साथ हुई। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में **श्री अरविन्द कुमार, महा निदेशक एस.टी.पी.आई** ने ए.आई. के नेतृत्व वाले नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के महत्व पर जोर दिया जो स्टार्टअप, शिक्षाविदों और उद्योग को जोड़ते हैं। उन्होंने कहा, "जिसे हम कभी एक सिंपल पाइप कहा करते थे, वह अब एक इंटैलीजैंट पाइप में बदल गया है।" उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि आने वाला इंडिया- ए.आई इंपैक्ट समिट 2026 जिम्मेदार, उत्तरदायी और प्रभावी ए.आई. अंगीकरण के लिए एक समग्र और भविष्य का सामना करने वाली रूपरेखा प्रदान करेगा। इसके बाद ट्राई के सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी ने सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला और विनियामक ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित किया जो नैतिक सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करते हुए नवाचार को उत्साहित करना करते हैं।

इसके बाद **ट्राई के सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी** ने सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला और विनियामक ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित किया जो नैतिक सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करते हुए नवाचार को उत्साहित करना करते हैं।

मुख्य अतिथि के रुप में अपना संबोधन देते हुए **ट्राई के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी** ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत के दूरसंचार विकास के अगले चरण के लिए एक प्रमुख प्रवर्तक है, जो पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में बुद्धिमत्तापूर्ण, अनुकूल और विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करने के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि "ए.आई. अब दूरसंचार के लिए एक भविष्यवादी विचार नहीं है- यह अब एक मूलभूत क्षमता है। नेटवर्क आटोमेशन से लेकर स्पैम की पहचान तक, एआई पहले से ही इस बात को आकार दे रहा है कि दूरसंचार सेवाओं को कैसे देना है और बड़े पैमाने पर

उनका अनुभव कैसे करना है। जिस तरह से हम ए.आई. को डिजाइन करते हैं, नियंत्रित करते हैं और तैनात करते हैं, वह यह निर्धारित करना करेगा कि क्या यह भविष्य में भी यह विश्वसनीय, समावेशी और लचीला बना रहेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि एआई अनुप्रयोगों को पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए, जोकि डिजिटल सशक्तिकरण के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप हों।

उद्घाटन सत्र के समापन पर स्मृति चिन्ह दिये गए और गणमान्य व्यक्तियों की सामूहिक तस्वीर खींची गई, जिसके बाद **ट्राई सलाहकार श्री समीर गुप्ता** ने धन्यवाद ज्ञापन ज्ञापन किया।

सुश्री कविता भाटिया, वैज्ञानिक 'जी', इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY); लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. एस. पी. कोचर, महानिदेशक सेल्युलर ऑपरेटर्स संघ ऑफ इंडिया (COAI.); डॉ. राजकुमार उपाध्याय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, C-DOT; और प्रोफ़ेसर रजत मूना, निदेशक आई.आई.टी. गांधीनगर के द्वारा विशेष सत्र लिए गए। वक्ताओं ने दूरसंचार मूल्य श्रृंखलाओं में एआई के बढ़ते एकीकरण का उल्लेख किया और भविष्य के लिए तैयार नेटवर्क को सपोर्ट करने के लिए सुरक्षित परिनियोजन, स्वदेशी एआई अनुसंधान और क्षमता निर्माण पर अधिक सहयोग का आह्वान किया।

तकनीकी विचार-विमर्श में ए.आई. संचालित दूरसंचार नेटवर्क पर केंद्रित चर्चा शामिल थी, जिसकी अध्यक्षता **ट्राई सदस्य श्री रितु रंजन मित्तर ने की**। उन्होने उद्घाटन भाषण भी दिया। चर्चाओं में इस बात की जांच की गई कि कैसे एआई-इनेब्ल्ड पूर्वानुमानित रखरखाव, ट्रैफिक ऑप्टिमाईजेशन और विसंगति का पता लगाने से दूरसंचार ऑपरेटरों को भारत के विस्तारित 5G और फाइबर-आधारित बुनियादी ढांचे में प्रतिक्रियाशील से पूर्वानुमानित और सैल्फ हीलिंग नेटवर्क संचालन की ओर बढ़ने में सक्षम बनाया जा रहा है। प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, ओ.ई.एम., शैक्षणिक संस्थाओ और स्टार्टअप के वक्ताओं ने पालन, विश्वसनीयता, जमानत और विनियामक अनुपालन को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए इंटैजलीजेंट नेटवर्क स्लाइसिंग, धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए व्यवहार विश्लेषण और ए.आई.-मूल संरचनाओं पर उपयोग के मामलों को साझा किया।

“रिस्पोंसिबल एआई इन टेलीकॉम सर्विसेज” पर चर्चा की अध्यक्षता ट्राई सदस्य डॉ. एम. पी. तंगिराला ने की, जिन्होंने ए.आई. के नैतिक और उत्तरदायी उपयोग पर चर्चा के लिए बीज सूत्र निर्धारित किया। सत्र में इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि कैसे अनुकूलित मोबाइल योजनाओं, स्मार्ट डेटा पैक और लक्षित प्रस्तावों के माध्यम से ग्राहक जुड़ाव में सुधार के लिए एआई-ड्रिवेन एनालिटिक्स, रिकमंडेशन इंजन और व्यवहार संबंधी अंतर्दृष्टि का लाभ उठाया जा रहा है।

प्रतिभागियों ने पारदर्शिता, डेटा गोपनीयता, उपभोक्ता विश्वास और एआई-संचालित प्रणालियों में झूठी सकारात्मकता को कम करने के महत्व पर जोर देते हुए स्पैम कॉल का पता लगाने और उन्हें अवरुद्ध करने, अवांछित संचार को फ़िल्टर करने और टेलीकॉ -एकीकृत प्लेटफार्मों के लिए सेफ कंटेट क्यूरेशन को सक्षम करने के लिए एआई-आधारित तंत्र पर भी चर्चा की।

इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के दिग्गजों, स्टार्टअप, दूरसंचार इंजीनियरों और एआई व्यवसायियों की सहभागिता देखी गई, जिन्होंने अपनी स्ट्रैटजिक इंसाईट और टैक्नीकल प्रैक्टिसेज को साझा किया जो भारत के दूरसंचार क्षेत्र में एआई अंगीकरण के भविष्य फयूचर ट्रैजोक्टरी को इंगित करते हैं। सत्रों का समापन पर सभी वक्ताओं को पौधरोपण किया और सामूहिक तस्वीरें खिंचवाईं। इस पूर्व-शिखर सम्मेलन के विचार-विमर्श आगामी भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता इफैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 में योगदान देंगे, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा संचालित, सुरक्षित और उपभोक्ता-केंद्रित डिजिटल नेटवर्क निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

अधिक जानकारी अथवा स्पष्टीकरण के लिए, कृपया श्री समीर गुप्ता, सलाहकार (नेटवर्क, स्पेक्ट्रम और लाइसेंसिंग (एनएसएल), भादूविप्रा से adv-nsl1@trai.gov.in पर संपर्क करें।

**(अतुल कुमार चौधरी)**
**सचिव**

For official updates, follow TRAI on:
X (formerly Twitter) - @TRAI
Facebook - @TRAI
Instagram - @trai.official
LinkedIn - @trai-official
YouTube - @TelecomRegulatoryAuthorityofIndia
Website - trai.gov.in